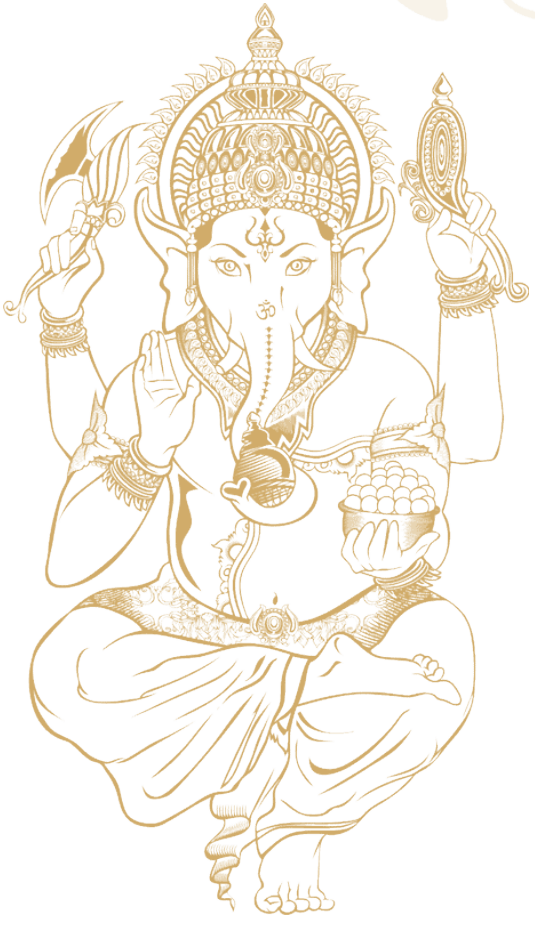

Shiv kumar mishra

Jyoti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120842002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	09/02/1997
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	10:23:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	09:17:22 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Vapi
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	20:21:07 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	72:54:28 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:38:22 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	07:11:25
18:11:09	सूर्यास्त	18:33:58
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	11:40:33	कर्क	लग्न	मीन	26:06:09	राहु 1वर्ष 3मा 19दि
बुध	08:12:45	मीन	सूर्य	मक	26:40:02	शनि
10/05/2021	24:53:24	तुला	चंद्र	कुंभ	19:02:02	31/05/2014
10/05/2038	01:47:57	कुंभ	मंगल व	कन्या	12:02:31	31/05/2033
बुध 06/10/2023	15:45:14	मीन व	बुध	मक	06:07:21	शनि 03/06/2017
केतु 02/10/2024	13:10:10	सिंह व	गुरु	मक	10:31:36	बुध 11/02/2020
शुक्र 03/08/2027	16:33:17	कुंभ	शुक्र	मक	13:43:05	केतु 22/03/2021
सूर्य 09/06/2028	21:18:28	मक	शनि	मीन	10:35:02	शुक्र 22/05/2024
चन्द्र 08/11/2029	11:37:25	धनु व	राहु व	कन्या	05:24:16	सूर्य 04/05/2025
मंगल 05/11/2030	11:37:25	मिथु व	केतु व	मीन	05:24:16	चन्द्र 03/12/2026
राहु 25/05/2033	23:52:05	धनु	हर्ष	मक	11:43:09	मंगल 12/01/2028
गुरु 31/08/2035	24:58:18	धनु	नेप	मक	04:28:36	राहु 18/11/2030
शनि 10/05/2038	29:00:13	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	11:34:03	गुरु 31/05/2033

लग्न-चलित

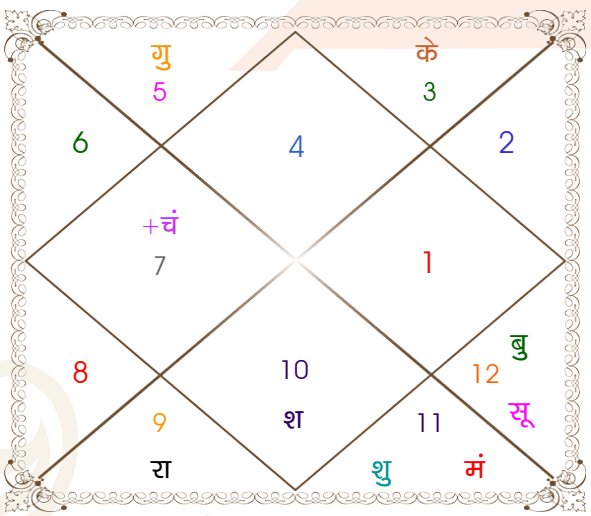

लग्न-चलित

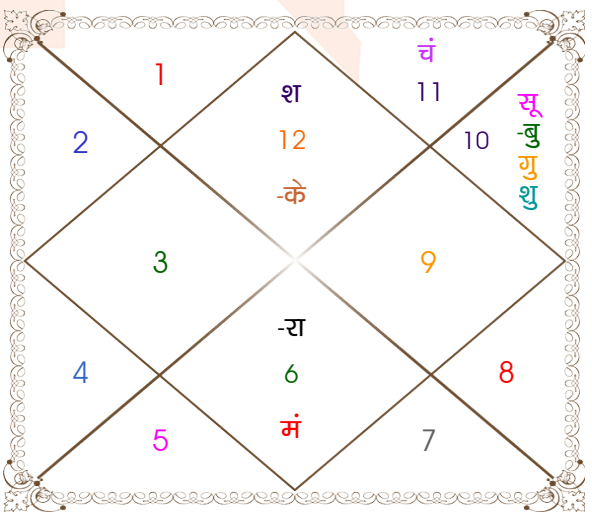

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ौपअ ानउंत उपेीतं का वर्ग सर्प है तथा Jyoti का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपअ ानउंत उपेीतं और Jyoti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअ ानउंत उपेीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगलौपअ ानउंत उपेीतं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Jyoti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Jyoti कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Jyoti कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनिौपअ ानउंत उपेीतं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहुौपअ ानउंत उपेीतं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपअ ानउंत उपेीतं तथा Jyoti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।